शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

Directorate of Education, GNCT of Delhi

Suggestive Answers

कक्षा – XI

Class – XI

इतिहास (कोड - 027)

HISTORY (CODE - 027)

TERM II

Time Allowed: 2 Hours | Maximum Marks: 40

1. <u>पुनर्जागरण के मुख्य कारण</u>

- कुस्तुनतुनिया का पतन
- संपन्न व्यापारी वर्ग का उदय
- धर्म युद्ध का प्रभाव
- राजकीय संरक्षण आदि
- प्रभाव या परिणाम
- सुधार आंदोलन का मार्ग प्रशस्त करना
- देसी भाषाओं का विकास
- विज्ञान का विकास
- लौकिक अभिरुचि यों का विकास
- उद्योग एवं व्यापार वाणिज्य का विकास

2 औद्योगिक क्रांति ने कृषि और हस्तशिल्प पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं को बड़े पैमाने के उद्योग, मशीनीकृत विनिर्माण और कारखाना प्रणाली पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं में बदल दिया। नई मशीनें, बिजली के नए स्रोत और काम को व्यवस्थित करने के नए तरीकों ने मौजूदा उद्योगों को अधिक उत्पादक और कुशल बना दिया।

अथवा

- ब्रिटेन के तीनों भाग इंग्लैंड वेल वेलस तथा स्कॉटलैंड में एक सम्राट का आधिपत्य
- शांति का वातावरण
- समान कानून व्यवस्था
- समान मुद्रा प्रणाली
- समान बाजार व्यवस्था
- बाजार व्यवस्था को स्थानीय प्राधिकरण के हस्तक्षेप से मुक्त करना

<u>3. ब्रिटेन भारत और चीन के बीच त्रिकोणीय व्यापार</u>

यूरोप में चीनी सामान की मांग.... ब्रिटेन द्वारा भारत से अफीम खरीदना... ब्रिटेन द्वारा चीन में चांदी के बदले अफीम बेचना
.... चीन से प्राप्त चांदी से चीनी माल खरीदना

4. (1.) राष्ट्रवाद। इसका मतलब मांचू को उखाड़ फेंकना था जिन्हें विदेशी राजवंश के रूप में देखा जाता था, साथ ही साथ अन्य विदेशी साम्राज्यवादी।
2. लोकतंत्र: इसका अर्थ था लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना।
3. समाजवाद: इसका मतलब पूंजी को विनियमित करना और भूमि जोत को बराबर करना था।

5. पुनर्जागरण से अभिप्राय

- पुनर्जागरण के प्रभाव
- तार्किक शक्ति का विकास
- पोप की सर्वोच्चता को अस्वीकार करना
- मानवतावाद का प्रसार ,लौकिक अभिरुचि यों का विकास
- धर्म सुधार आंदोलन
- मार्टिन लूथर का योगदान
- दंड मोचन सर्टिफ़िकेट का विरोध
- पोप आदेशों की अवहेलना
- ईसाई धर्म का दो भागों में बट जाना- प्रोटेस्टेंट वादी व कैथोलिक

अथवा

- यूरोप में पुनर्जागरण
- यूरोपीय देशों में औद्योगिकरण
- औद्योगिकरण के फल स्वरुप कच्चे माल की मांग
- उपनिवेशवाद को बढ़ावा
- औपनिवेशिक देशों का आर्थिक शोषण
- औपनिवेशिक देशों में पूंजी निवेश

6. इंग्लैंड में १७८० से १८५० के बीच औद्योगिक क्रांति

- मजदूरों के रूप में औरतों बच्चों व पुरुषों की बढ़ती मांग
- मजदूरों का शोषण
- मजदूरों द्वारा अधिकारों की मांग
- ब्रेड व खाद्य के लिए दंगे
- लूडिज्म आंदोलन
- कानून द्वारा श्रमजीवी ओं की दशा में सुधार
- जुड़वा अधिनियमओं को समाप्त करना
- 1833 ईस्वी का कारखाना अधिनियम, काम के घंटे निश्चित किए गए ,न्यूनतम आयु निर्धारित की गई

अथवा

- औद्योगिक क्रांति से अभिप्राय
- कपास कढ़ाई और बुनाई उद्योग में विभिन्न तकनीकी परिवर्तन
- 1733 में मशीनी करघे का आविष्कार, 1765 में जेम्ज़ हरग्रीव्स द्वारा कताई मशीन का निर्माण , रिचर्ड आर्कराइट द्वारा वाटरफ़्रेम का निर्माण, 1779 में सैमुअल क्रॉन्पटन द्वारा म्यूल नामक मशीन का निर्माण , पावर लूम का आविष्कार।
- विश्व पर प्रभाव
- कपास की मांग बढ़ना

- कच्चे माल का आयात
- निर्यात में बढ़ोतरी
- बाजारों की मांग, उपनिवेशवाद को बढ़ावा औपनिवेशिक देशों का शोषण

7. चीन और जापान का आधुनिकीकरण के लिए अलग अलग विचारधारा का अनुसरण

जापान का आधुनिकीकरण...शोगुन की सत्ता का अंत, मेजी पुनर्स्थापना, फुकोकू क्योहे नीति का अनुसरण

जापान द्वारा अपने पारंपरिक हुनर व प्रथाओं का प्रयोग नवीन आधुनिकीकरण के लिए किया गया

शिक्षा प्रणाली का विकास, यूरोपीय विचारों को अपनाना, शिक्षा द्वारा देशभक्ति की भावना अच्छे नागरिक के गुणों का विकास

चीन का आधुनिकीकरण

1911 में चीनी क्रांति, सन-यात-सेन के नेतृत्व में गणतंत्र की स्थापना, माउ त्से तुंग की मृत्यु के बाद पूंजीवादी व्यवस्था को बढ़ावा

8.(i) वॉशिंटॉन इर्विंग, सामान्य ज़िंदादिल लोगों की भाँति
(ii) जंगलों में रहने वाली काम कल्पनाशील प्रजाति के रूप में
(iii) रेडइंडियन, आबोरिज़िनल, डकोटा, चिरोकी, पोनियाक इत्यादि

9. (i)थॉमस जेफरसन अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति थे।
(ii) उन्हें अमेरिकी स्वतंत्रता की उद्घोषणा पत्र लिखने के लिए जाना जाता है.
(iii) थॉमस जेफरसन का मानना था कि मूल अमेरिकी लोग एक महान जाति के थे जो शरीर और दिमाग से श्वेतों के बराबर थे परंतु सांस्कृतिक और तकनीकी रूप से हीन थे।

10.

(i) A-सिड्नी

B-कैनबेरा

दृष्टिबाधित छात्रों के लिए

(i) पर्थ और सिड्नी

(ii) कैनबेरा